वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 39 | शनिवार 11 जुलाई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान विधानसभा के 75वें वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अमृत महोत्सव कार्यक्रमों की शुरूआत 15 जुलाई से

लोकतंत्र की गौरवशाली यात्रा का होगा ऐतिहासिक उत्सव: देवनानी

सात दशकों से अधिक की इस यात्रा में राजस्थान के विकास, सामाजिक समरसता और बुनियादी सुधारों को गति देने में सदन के प्रत्येक कालखंड के सदस्यों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा

जयपुर. शाबाश इंडिया

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सात दशकों से अधिक की इस यात्रा में राजस्थान के विकास, सामाजिक समरसता और बुनियादी सुधारों को गति देने में सदन के प्रत्येक कालखंड के सदस्यों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। विधानसभा ने समय-समय पर ऐसे निर्णय लिए हैं, जिन्होंने प्रदेश के सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक विकास की मजबूत आधारशिला रखी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव लोकतांत्रिक परंपराओं, विधायी उपलब्धियों और जनसेवा के संकल्प का उत्सव है। यह आयोजन अतीत के अनुभवों, वर्तमान की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य करेगा देवनानी ने बताया कि राजस्थान विधानसभा के 75वें वर्ष के अवसर पर 15 जुलाई, 2026 को विधानसभा भवन में एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर राजस्थान की प्रथम विधानसभा से लेकर सोलहवीं विधानसभा तक के पूर्व एवं वर्तमान सदस्यों का विशाल सम्मेलन आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि इस ऐतिहासिक सम्मेलन में लोकतंत्र की यात्रा, विधायी परंपराओं, सदन की गरिमा, संसदीय अनुभवों, चुनौतियों और विधानसभा के डिजिटल रूपांतरण जैसे महत्वपूर्णविषयों पर चर्चा होगी। साथ ही पूर्व विधानसभा अध्यक्षों, उपाध्यक्षों और वरिष्ठतम विधायकों का विशेष सम्मान किया जाएगा।

23 ऐतिहासिक कानूनों पर होगी विशेष चर्चा

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि अमृत महोत्सव के प्रथम कार्यक्रम में राजस्थान की विभिन्न विधानसभाओं में पारित 23 महत्वपूर्ण कानूनों पर विशेष चर्चा कराई जाएगी। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, पूर्व उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री इन कानूनों के सामाजिक एवं प्रशासनिक प्रभावों पर अपने अनुभव साझा करेंगे। इनमें राजस्थान भूमि सुधार एवं जागीर पुनर्ग्रहण अधिनियम, 1952, राजस्थान जमींदारी एवं बिस्वेदारी उन्मूलन अधिनियम, 1959, राजस्थान पंचायत समिति एवं जिला परिषद अधिनियम, 1959, राजस्थान प्राथमिक शिक्षा अधिनियम, 1964, राजस्थान लोकायुक्त एवं उप लोकायुक्त अधिनियम, 1973, राजस्थान सूचना का अधिकार अधिनियम, 2001, राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम, 2011 सहित अन्य महत्वपूर्ण कानून शामिल हैं। देवनानी ने कहा कि इन कानूनों ने राजस्थान के सामाजिक परिवर्तन, प्रशासनिक सुधार, शिक्षा विस्तार, पारदर्शिता और जनकल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमृत महोत्सव के माध्यम से इन ऐतिहासिक निर्णयों की प्रासंगिकता और वर्तमान संदर्भों पर भी चर्चा की जाएगी।

लोकसभा अध्यक्ष एवं उपराष्ट्रपति होंगे समारोह के प्रमुख अतिथि

विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि अमृत महोत्सव के उद्घाटन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे, जबकि समापन समारोह में राज्यसभा के सभापति एवं उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। समारोह में राज्यपाल, मुख्यमंत्री सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन भारतीय संसदीय लोकतंत्र का गौरवशाली उत्सव होगा, जिसमें अनुभव, परंपरा, नवाचार, महिला शक्ति, युवा ऊर्जा और जनविश्वास का अद्भुत समन्वय दिखाई देगा।

पूर्व विधानसभा अध्यक्षों एवं वरिष्ठ विधायकों का सम्मान

देवनानी ने कहा कि समारोह में पूर्व विधानसभा अध्यक्षों, पूर्व उपाध्यक्षों, छह या उससे अधिक बार निर्वाचित पूर्व विधायकों तथा वर्तमान विधायकों का सम्मान किया जाएगा। यह सम्मान राजस्थान की लोकतांत्रिक परंपरा को समृद्ध करने वाले जनप्रतिनिधियों के योगदान के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक होगा। उन्होंने कहा कि समारोह में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, सुमित्रा सिंह, दीपेन्द्र सिंह शेखावत, कैलाश चन्द मेघवाल एवं डॉ. सी.पी. जोशी तथा पूर्व उपाध्यक्ष तारा भण्डारी, रामनारायण मीणा एवं राव राजेन्द्र सिंह को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त छह या उससे अधिक बार विधानसभा के सदस्य रहे वरिष्ठ नेताओं तथा वर्तमान में निर्वाचित वरिष्ठ विधायकों का भी सम्मान किया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने बताया कि अमृत महोत्सव के प्रथम कार्यक्रम का सजीव प्रसारण राजस्थान विधानसभा के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा।

मां अहिल्या की धर्मनगरी इंदौर पर दो महान संतों की कृपादृष्टि

इंदौर. शाबाश इंडिया

मां अहिल्या की धर्मनगरी इंदौर इस वर्ष दो महान दिगंबर जैन संतों के सान्निध्य से आध्यात्मिक रूप से आलोकित होने जा रही है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन 'दद्दू' ने बताया कि आकलिकर परंपरा के चतुर्थ पट्टाचार्य आचार्य श्री 108 सुनील सागर जी महामुनिराज के 62 पीछी संघ का भव्य मंगल प्रवेश 12 जुलाई (रविवार) को इंदौर में प्रस्तावित है। वहीं, श्रमण संस्कृति के महान निर्यापक मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महामुनिराज के वर्षायोग की भी इंदौर में प्रबल संभावना व्यक्त की जा रही है। इस शुभ संकेत से सकल जैन समाज में हर्ष और आध्यात्मिक उत्साह का वातावरण है। समाज के इंद्र वीणा सेठी ने बताया कि आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज के मंगल प्रवेश को लेकर समाज में व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। वीतराग वाणी के प्रखर प्रवक्ता तथा तप, त्याग और साधना की प्रतिमूर्ति आचार्य श्री के सान्निध्य में प्रवचन, धर्मसभा, स्वाध्याय एवं विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दूसरी ओर, इंदौर दिगंबर जैन समाज सामाजिक सांसद के पदाधिकारियों आनंद नवीन गोधा, हर्ष जैन, विजय पाटोदी, एम.के. जैन, आकाश कोल, अक्षय कासलीवाल, राहुल जैन स्पोर्ट्स तथा राजेश जैन 'दद्दू' से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर जी महाराज के वर्ष 2026 के वर्षायोग की इंदौर में अत्यंत प्रबल संभावना है। यदि गुरुदेव का वर्षायोग इंदौर में होता है, तो यह केवल शहर ही नहीं, बल्कि

समूचे मालवा क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक आध्यात्मिक अवसर सिद्ध होगा। समाज के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. जैनेन्द्र जैन ने कहा कि मुनिपुंगव श्री सुधासागर जी महाराज अपने ओजस्वी प्रवचनों, राष्ट्र चेतना, जिनशासन प्रभावना तथा समाज जागरण के लिए देशभर में विख्यात हैं। उनके चातुर्मास के दौरान आत्मजागरण, संस्कार निर्माण और धर्म प्रभावना से जुड़े अनेक प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित होते हैं, जिनसे समाज को नई दिशा मिलती है। इंदौर की सकल जैन समाज ने सभी सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा धर्मप्रेमी बंधुओं से संतों के आगमन की तैयारियों में तन, मन और धन से सहयोग देने का आह्वान किया है। समाज ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने तथा बच्चों और युवाओं को संतों के सान्निध्य से जोड़ने की अपील की है। समाजजनों का कहना है कि इंदौर ने संतों को आमंत्रित करने का दायित्व पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ निभाया है। अब समय है कि मालवा की इस पुण्यभूमि को धर्म, साधना, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का सशक्त केंद्र बनाया जाए।

वंदे गुरुवर चरणारविंद।

आचार्य विशद सागर महाराज ससंघ का एसएफएस स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश

मार्ग में सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में किए दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया

क्षमामूर्ति आचार्य श्री 108 विशद सागर महाराज ससंघ का शुक्रवार को मानसरोवर स्थित एसएफएस के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। आचार्य संघ के आगमन पर पूरा क्षेत्र श्रद्धालुओं के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। समिति के अध्यक्ष के.सी. जैन एवं महामंत्री सौभागमल जैन ने बताया कि प्रातः 7 बजे आचार्य श्री ससंघ का सिद्धार्थ नगर दिगंबर जैन मंदिर से एसएफएस मंदिर के लिए मंगल विहार प्रारंभ हुआ। मार्ग में तारों की कूट स्थित सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर पहुंचने पर अध्यक्ष नवीन जैन एवं महामंत्री धनेश सेठी के नेतृत्व में पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती की गई। मंदिर में दर्शन के उपरांत आचार्य श्री के सान्निध्य में शांतिधारा संपन्न हुई। इसके बाद आचार्य श्री ससंघ ऋषभ मार्ग स्थित कोटखावदा हाउस पहुंचे, जहां राजस्थान जैन सभा, जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर अगवानी की। इस अवसर पर आचार्य श्री एवं मुनि विशाल सागर महाराज ने विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा परिवार को धर्म प्रभावना के लिए आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में शकुंतला लुहाड़िया, मैना देवी कासलीवाल, अभय-अनिता लुहाड़िया, अजय-ज्योति जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। इसके पश्चात आचार्य श्री ससंघ बी-2 बाइपास स्थित पूर्व अध्यक्ष राजेश काला के निवास पहुंचे, जहां से बैंड-बाजों के साथ विशाल मंगल प्रवेश शोभायात्रा एसएफएस मंदिर के लिए रवाना हुई।

मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर आचार्य संघ का स्वागत किया। मंदिर पहुंचने पर अध्यक्ष के.सी. जैन, महामंत्री सौभागमल जैन, कुणाल काला एवं समिति के पदाधिकारियों ने पाद प्रक्षालन एवं आरती कर आचार्य संघ की अगवानी की। वहीं महिला मंडल की अध्यक्ष उर्मिला पाटनी के नेतृत्व में महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर पारंपरिक स्वागत किया। मंदिर में भगवान आदिनाथ के दर्शन के उपरांत आचार्य श्री के सान्निध्य में मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक एवं शांतिधारा संपन्न हुई। इसके बाद आयोजित धर्मसभा में चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इस अवसर पर महावीर-उर्मिला पाटनी परिवार ने आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन किया तथा विनोद-इंदिरा सोगानी परिवार ने शास्त्र भेंट किए। शिखा सोगानी एवं नरेंद्र-कुसुम चंदवाड़ ने भी मुनिराजों को शास्त्र समर्पित किए। अपने मंगल प्रवचन में आचार्य श्री ने धर्म प्रभावना को बढ़ाने तथा देव, शास्त्र, गुरु और जैन संस्कृति की रक्षा के लिए तन, मन और धन से समर्पित रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री सौभागमल जैन ने किया। सायंकाल आरती एवं मंगल यात्रा का

भी आयोजन हुआ। महामंत्री सौभागमल जैन ने बताया कि आचार्य श्री का प्रवास 17 जुलाई तक एसएफएस मंदिर में रहेगा। प्रतिदिन प्रातः 8:30 बजे मंगल प्रवचन, दोपहर 3:00 बजे स्वाध्याय तथा सायं 6:30 बजे आरती एवं आचार्य श्री के सान्निध्य में मंगल यात्रा आयोजित होगी।

18 जुलाई को चित्रकूट कॉलोनी के लिए मंगल विहार

समिति के अनुसार वर्ष 2026 के घोषित चातुर्मास स्थल चित्रकूट कॉलोनी स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर के लिए 18 जुलाई को भव्य शोभायात्रा के साथ आचार्य श्री ससंघ का मंगल विहार होगा।

नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर दिया परामर्श एवं उपचार

अमेरिकी स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आयिता और डॉ. ओपी टांक के सान्निध्य में आयोजित हुआ दो दिवसीय शिविर

जयपुर. शाबाश इंडिया

ज्योति नगर स्थित कठपुतली नगर में दो दिवसीय नि:शुल्क स्त्री रोग परामर्श एवं उपचार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अमेरिका से आईं प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. आयिता ने महिलाओं को स्त्री रोगों से जुड़ी समस्याओं, उनके कारणों, बचाव के उपायों तथा समय पर उपचार के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया तथा नि:शुल्क उपचार उपलब्ध कराया। यह शिविर स्टे बियॉन्ड बॉर्डर की डायरेक्टर आत्मिक के निर्देशन में राजस्थान कच्ची बस्ती महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. ओ.पी. टांक की डिस्पेंसरी में आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य झुग्गी-बस्ती क्षेत्र की महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। शिविर के आयोजन में शहीद वाल्मीकि सर्व समाज विकास समिति का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर कठपुतली नगर विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. ओ.पी. टांक, उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, महामंत्री गजानंद खींची, हेमराज खींची सहित समिति के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग

लेकर विशेषज्ञ चिकित्सक से स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श एवं नि:शुल्क उपचार का लाभ उठाया। महिलाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए स्टे बियॉन्ड बॉर्डर की डायरेक्टर आत्मिक, डॉ. आयिता तथा सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी स्वास्थ्य शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की अपेक्षा जताई।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति एवं सकल जैन समाज, अग्रवाल फार्म, जयपुर
मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट एवं कंचन देवी मेमोरियल ट्रस्ट (रजि.)
द्वारा आयोजित

स्व. श्रीमती मीना कुमारी जैन
1 मार्च, 1952– 15 जुलाई, 2020

स्व. श्रीमती मीना कुमारी जैन
(धर्मपत्नी श्री ज्ञान चन्द जैन) की षष्ठम पुण्य स्मृति पर

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर एवं नि:शुल्क जाँच शिविर

रविवार, 12 जुलाई 2026
प्रात: 9.30 बजे से दोपहर 3.00 बजे तक

नीता जैन

नि:शुल्क जाँच एवं परामर्श
1. डॉ. अविनाश जैन (DM), गठिया और ऑटोइम्यून बीमारी विशेषज्ञ
2. देशबन्धु ई.एन.टी. अस्पताल द्वारा कान, नाक, गले की जाँच
3. मनु श्री आई अस्पताल एवं आई 2 आई ऑप्टिवस द्वारा नेत्र जाँच
4. डॉ. प्रमिला जैन डेन्टल सर्जन द्वारा डेन्टल चेकअप एवं बी.पी, शुगर एवं कैल्सीयम की जाँच,
5. डॉ. विनोद गोत्तम, जनरल फिजिशियन द्वारा परामर्श
6. फिजियोथेरेपिष्ट डॉ. दीपक शर्मा, डॉ हिमांशु वशिष्ठ एवं डॉ. आस्था जैन द्वारा परामर्श

मुख्य अतिथि
श्रीमती मंजू शर्मा जी
सांसद लोकसभा जयपुर

स्थान- श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर

सोभागमल जैन, सलाहकार, महामंत्री श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
सुमत प्रकाश जैन, अध्यक्ष, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
शरद हिंगड़, अध्यक्ष, कंचन देवी मेमोरियल ट्रस्ट, जयपुर
सिद्ध कुमार सेठी, अध्यक्ष, श्री पार्श्वनाथ नव युवक मण्डल
श्रीमती भँवरी देवी जैन, अध्यक्ष, श्री पार्श्वनाथ महिला मण्डल
पंकज जैन, मुख्य संयोजक, विद्या-वसु पाठशाला, श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
जिनेश कुमार जैन, प्रदेश अध्यक्ष, WPSF
ज्ञानचन्द जैन, संयोजक एवं अध्यक्ष, मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट, जयपुर

सभी रक्तवीरों को प्रशस्ती पत्र से सम्मानित किया जायेगा।

रक्तदान हेतु सम्पर्क करें:– 9414643144, 9414267852, 7793090000, 9529530467, 9314551550, 9351302142, 9887977479, 9413301367

राजनीति

संख्या नहीं, संतुलन है सबसे बड़ी चुनौती

हर वर्ष 11 जुलाई को मनाया जाने वाला विश्व जनसंख्या दिवस केवल बढ़ती आबादी के आंकड़ों पर चर्चा का अवसर नहीं, बल्कि यह समझने का भी समय है कि किसी देश की वास्तविक ताकत उसकी जनसंख्या की संख्या नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता होती है। यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास और संसाधनों का संतुलित विकास हो तो बड़ी आबादी विकास का इंजन बन सकती है, अन्यथा वही बोझ साबित होती है। आज विश्व की जनसंख्या 8 अरब से अधिक हो चुकी है। भारत लगभग 1.46-1.47 अरब आबादी के साथ दुनिया का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। हालांकि भारत के लिए राहत की बात यह है कि देश की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) अब प्रतिस्थापन स्तर के आसपास या उससे नीचे पहुंच चुकी है। इसका अर्थ है कि भारत अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि के दौर से आगे बढ़कर जनसंख्या संतुलन के नए चरण में प्रवेश कर चुका है। इसलिए अब केवल जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि जनसंख्या प्रबंधन की आवश्यकता है। पिछले दशकों में चिकित्सा सुविधाओं, टीकाकरण, स्वच्छता और पोषण में सुधार से मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई, जबकि लंबे समय तक जन्मदर अपेक्षाकृत ऊंची बनी रही। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का अभाव, परिवार नियोजन के प्रति सीमित जागरूकता, बाल विवाह, पुत्र प्राप्ति की मानसिकता और गरीबी ने भी जनसंख्या वृद्धि को बढ़ावा दिया। बढ़ती आबादी का सीधा प्रभाव शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, जल, खाद्यान्न, ऊर्जा और पर्यावरण पर पड़ता है। यदि जनसंख्या वृद्धि आर्थिक विकास से तेज हो, तो विकास योजनाओं का लाभ प्रत्येक नागरिक तक समान रूप से नहीं पहुंच पाता और संसाधनों पर दबाव बढ़ता जाता है। दूसरी ओर भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका जनसांख्यिकीय लाभांश है। देश की लगभग दो-तिहाई आबादी कार्यशील आयु वर्ग में है। यदि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल, नवाचार, उद्यमिता और रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलें, तो भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था की सबसे मजबूत कार्यशक्ति बन सकता है। यही कारण है कि अनेक विकसित देश भारतीय पेशेवरों और तकनीकी विशेषज्ञों की ओर उम्मीद से देख रहे हैं।

संपादकीय

चाबहार पोर्ट पर अमेरिकी हमला

ईरान के चाबहार पोर्ट पर अमेरिकी एयरस्ट्राइक ने मध्य-पूर्व की अस्थिरता को एक नया आयाम दे दिया है। 8-9 जुलाई की रात हुए हमलों में पोर्ट के मुख्य समुद्री यातायात नियंत्रण टावर के नष्ट होने, शाहिद बेहेश्ती डॉक सहित दो समुद्री घाटों के क्षतिग्रस्त होने तथा शहर के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित होने की खबरें सामने आई हैं। ईरानी मीडिया और स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, हमले का प्रभाव आसपास के अस्पताल तक भी

पहुंचा। यह कार्रवाई अमेरिका-ईरान के बढ़ते तनाव की नई कड़ी मानी जा रही है, जिसकी पृष्ठभूमि में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमले बताए जा रहे हैं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि ईरान के लगभग 90 ठिकानों को निशाना बनाया गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई बताया और आगे भी कड़ी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी। वहीं, ईरान ने इसे अपनी संप्रभुता पर आक्रामक हमला करार दिया है। चाबहार, ईरान का एकमात्र गहरे पानी वाला महासागरीय बंदरगाह है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य को बायपास करते हुए अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराता है। यही कारण है कि इसकी सामरिक अहमियत आज वैश्विक चर्चा का विषय बनी हुई है। भारत के लिए यह घटनाक्रम विशेष चिंता का विषय है। चाबहार पोर्ट मध्य एशिया तक भारत की रणनीतिक पहुंच का प्रमुख द्वार है। वर्ष 2016 से भारत ने इस परियोजना में महत्वपूर्ण निवेश किया है। वर्ष 2024 में हुए 10 वर्षीय समझौते के तहत इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल का संचालन कर रही है। यह बंदरगाह इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरोप तक भारत की व्यापारिक पहुंच को मजबूत बनाता है। पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट के मुकाबले चाबहार भारत को एक स्वतंत्र और रणनीतिक विकल्प प्रदान करता है। ऐसे में शाहिद बेहेश्ती डॉक के क्षतिग्रस्त होने की खबरें भारत के निवेश और दीर्घकालिक रणनीतिक हितों के लिए चिंता का विषय हैं। विश्लेषकों का मानना है कि यदि बंदरगाह की परिचालन क्षमता प्रभावित होती है, तो कार्गो हैंडलिंग और आपूर्ति श्रृंखला पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण पहले ही समुद्री बीमा की लागत बढ़ चुकी है। बिजली आपूर्ति और आधारभूत ढांचे को हुई क्षति की मरम्मत में भी समय लग सकता है। हालांकि भारत ने स्पष्ट किया है कि उसके संचालन वाले टर्मिनल को प्रत्यक्ष नुकसान नहीं पहुंचा है, लेकिन अप्रत्यक्ष प्रभावों से पूरी तरह इंकार नहीं किया जा सकता। चाबहार के माध्यम से अफगानिस्तान को मानवीय सहायता और व्यापारिक गतिविधियों को सुचारु बनाए रखना अब अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यह घटनाक्रम व्यापक भू-राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रतिबिंबित करता है। अमेरिका, ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता बाधित करने के लिए जिम्मेदार ठहरा रहा है, जबकि ईरान की संभावित जवाबी कार्रवाई की आशंका भी बनी हुई है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

घुसपैठ पर कसा शिकंजा

भारत-बांग्लादेश की 4,096.7 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा देश की आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका लगभग 2,216.7 किलोमीटर हिस्सा पश्चिम बंगाल से होकर गुजरता है, इसलिए यहां की सुरक्षा व्यवस्था का प्रभाव केवल राज्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक गतिविधियों पर भी पड़ता है। लंबे समय तक यह क्षेत्र घुसपैठ, तस्करी और सीमा पार अपराध जैसी चुनौतियों से जूझता रहा, लेकिन हाल के वर्षों में सीमा प्रबंधन को अधिक सुदृढ़ बनाने के प्रयास तेज हुए हैं। उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट से घोजाडांगा सीमा क्षेत्र तक सुरक्षा व्यवस्था पहले की तुलना में अधिक सघन दिखाई देती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आने-जाने वाले व्यक्तियों की पहचान और वाहनों की जांच पहले से अधिक व्यवस्थित ढंग से की जा रही है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा निगरानी बढ़ाए जाने से संदिग्ध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के प्रयासों को मजबूती मिली है। घोजाडांगा भारत-बांग्लादेश के प्रमुख सीमा व्यापार केंद्रों में शामिल है। यहां वैध व्यापार लगातार जारी है और ट्रकों के माध्यम से विभिन्न वस्तुओं का आयात-निर्यात होता है। इसके साथ ही सुरक्षा मानकों को भी कड़ा किया गया है। प्रत्येक वाहन की जांच और संवेदनशील गतिविधियों पर सतत निगरानी से सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। सीमा पर फेंसिंग का कार्य भी धीरे-धीरे गति पकड़ रहा है। भूमि अधिग्रहण और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण कई स्थानों पर परियोजनाएं प्रभावित हुई थीं, लेकिन अब उत्तर 24 परगना, नदिया, मुर्शिदाबाद और कूचबिहार सहित कई जिलों में कार्य आगे बढ़ रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जहां फेंसिंग पूरी होगी, वहां अवैध घुसपैठ और तस्करी की संभावनाओं को कम करने में सहायता मिलेगी। आधुनिक तकनीक ने भी सीमा सुरक्षा को नई दिशा दी है। नदी वाले क्षेत्रों में मोटरबोट गश्त, थर्मल इमेजर, नाइट विजन उपकरण, आधुनिक संचार प्रणाली और इलेक्ट्रॉनिक निगरानी साधनों का उपयोग सुरक्षा बलों की क्षमता बढ़ा रहा है। इन तकनीकों की मदद से दिन और रात दोनों समय निगरानी अधिक प्रभावी हो सकी है। घुसपैठ और तस्करी केवल सुरक्षा का विषय नहीं हैं। इनका प्रभाव स्थानीय संसाधनों, प्रशासनिक व्यवस्था, आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक संतुलन पर भी पड़ता है। इसलिए सीमा प्रबंधन को केवल सुरक्षा अभियान नहीं, बल्कि सुशासन और विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रयास के रूप में भी देखा जाता है। सीमा क्षेत्रों में रहने वाले लोगों का कहना है कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से विश्वास का वातावरण बढ़ा है। वहीं वैध व्यापारिक गतिविधियां भी पहले की तरह जारी हैं। हालांकि कुछ क्षेत्रों में नदी के बदलते प्रवाह, भूमि संबंधी विवाद और सीमा निर्धारण जैसी चुनौतियां अब भी मौजूद हैं, जिनके समाधान के लिए निरंतर समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा अवसंरचना को मजबूत करने, तकनीक के व्यापक उपयोग और विभिन्न एजेंसियों के बेहतर समन्वय से सीमा प्रबंधन अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में प्रयास जारी हैं। यदि यही गति बनी रहती है, तो आने वाले समय में यह क्षेत्र सुरक्षित सीमा प्रबंधन, प्रभावी निगरानी और संतुलित विकास का एक महत्वपूर्ण उदाहरण बन सकता है। मजबूत सीमाएं केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को ही सुदृढ़ नहीं करतीं, बल्कि नागरिकों के विश्वास, कानून व्यवस्था और आर्थिक स्थिरता को भी नई मजबूती प्रदान करती हैं।

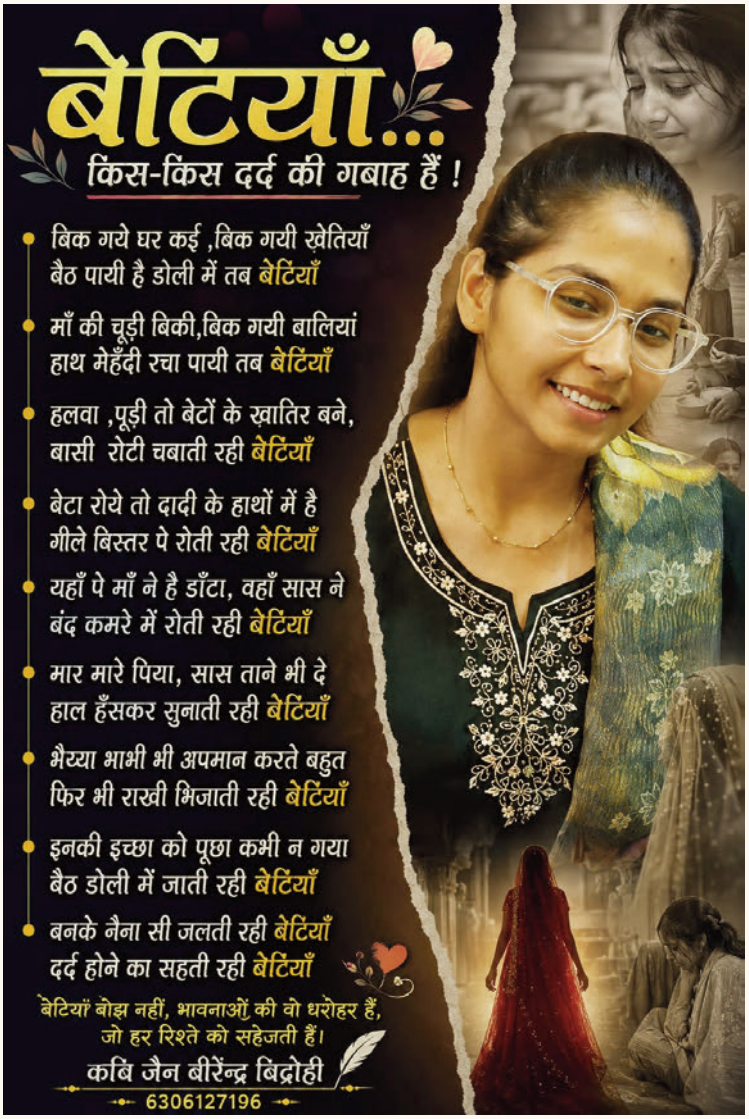

रेल यात्रियों के लिए जारी है निःशुल्क शीतल जल सेवा

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, गंगापुर सिटी का 18 वर्षों से निरंतर जनसेवा अभियान

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप, गंगापुर सिटी द्वारा रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों के लिए संचालित निःशुल्क शीतल जल सेवा का जनसेवा अभियान लगातार जारी है। भीषण उमस, गर्मी और बीच-बीच में हो रही वर्षा के बावजूद ग्रुप के महिला एवं पुरुष कार्यकर्ता प्रतिदिन सायंकाल पूरे उत्साह और सेवा भाव से रेलवे स्टेशन पहुंचकर यात्रियों को शीतल जल उपलब्ध करा रहे हैं। ग्रुप के अध्यक्ष नरेंद्र जैन नृपत्या ने बताया कि रेलवे प्रशासन द्वारा इस वर्ष 15 जुलाई तक जल सेवा संचालित करने की अनुमति प्रदान की गई है। यह सेवा 1 मई से प्रारंभ हुई थी। उन्होंने बताया कि दिगंबर जैन सोशल ग्रुप पिछले 18 वर्षों से निरंतर इस जनसेवा अभियान का सफल संचालन कर रहा है। जल सेवा अभियान का संचालन संयोजक धर्मेंद्र जैन पांड्या, सह-संयोजक दीपक गोयल एवं योगेंद्र जैन के नेतृत्व में किया जा रहा है। प्रतिदिन अनेक कार्यकर्ता स्वेच्छा से अपना समय देकर यात्रियों की प्यास बुझाने के इस सेवा कार्य में सहभागी बन रहे हैं। समय-समय पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष सुमेर जैन सोनी, रीजन उपाध्यक्ष विमल जैन गोधा, सचिव महेश जैन, कोषाध्यक्ष सुभाष जैन सोगानी सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी एवं लीडर्स भी सेवा स्थल पर पहुंचकर कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हैं तथा अभियान की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हैं। इस सेवा अभियान में महिलाओं एवं बच्चों की सक्रिय सहभागिता भी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। उनका समर्पण, अनुशासन और सेवा भाव इस अभियान को और अधिक प्रेरणादायी बनाता है। रेल यात्री भी इस सुव्यवस्थित व्यवस्था, अनुशासित टीमवर्क और निःस्वार्थ सेवा से प्रभावित होकर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के कार्यकर्ताओं की सराहना करते हैं तथा उनके इस जनहितकारी प्रयास की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए शुभकामनाएं व्यक्त करते हैं।

विजयमती माताजी के नाम पर सर्किल/चौराहे के नामकरण की मांग

जैन समाज ने जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, जुरहरा जैन समाज ने भी किया समर्थन

डीग/कामवन. शाबाश इंडिया

धर्मनगरी कामवन की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक विरासत को स्थायी सम्मान दिलाने की मांग को लेकर सकल दिगंबर जैन समाज, कामवन ने जिला कलेक्टर मयंक मनीष को ज्ञापन सौंपकर जैन धर्म की प्रथम गणिनी आर्यिका रत्न पूज्य विजयमती माताजी की स्मृति में एक प्रमुख सर्किल अथवा चौराहे का निर्माण कर उसका नाम श्प्रथम गणिनी आर्यिका रत्न विजयमती माताजी सर्किलश रखने की मांग की। इस मांग के समर्थन में जुरहरा जैन समाज ने भी अलग से ज्ञापन सौंपते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया। सकल दिगंबर जैन समाज, कामवन के अध्यक्ष अनिल जैन लहसरिया ने कहा कि डीग जिला अपनी ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के लिए देशभर में विशिष्ट पहचान रखता है। इसी जिले की धर्मनगरी कामवन, जहां ब्रज संस्कृति के साथ-साथ जैन धर्म की गौरवशाली परंपरा भी रही है, जैन धर्म की प्रथम गणिनी आर्यिका रत्न विजयमती माताजी की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। ऐसी महान संत विभूति की स्मृति में आज तक किसी प्रमुख सर्किल या चौराहे का नामकरण नहीं होना जनभावनाओं के अनुरूप नहीं है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि पूज्य विजयमती माताजी ने अपने तप, त्याग, वैराग्य, संयम और आध्यात्मिक साधना के माध्यम से जैन धर्म के मूल सिद्धांत–अहिंसा, करुणा, आत्मसंयम एवं सदाचार–का व्यापक प्रचार-प्रसार किया। उनका जीवन केवल जैन समाज ही नहीं, बल्कि समूचे मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपने आदर्श जीवन और आध्यात्मिक व्यक्तित्व से समाज को नई दिशा प्रदान करते हुए नारी शक्ति, संयम और संस्कृति के उच्च आदर्श स्थापित किए। संजय जैन बड़जात्या ने कहा कि आर्यिका रत्न विजयमती माताजी की जन्मभूमि कामवन है और उन्होंने देशभर में जैन धर्म तथा आध्यात्मिक चेतना के प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान दिया। लाखों लोगों को धर्म, संयम और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को उनके जीवन, तप और त्याग से प्रेरणा मिलती रहे, इसके लिए उनके नाम पर एक भव्य सर्किल अथवा चौराहे का निर्माण किया जाना आवश्यक है। ज्ञापन में सुझाव दिया गया कि कामवन का वह प्रमुख चौराहा, जहां से बोलखेड़ा, कोसी, पहाड़ी एवं जुरहरा मार्गों का संपर्क होता है, इस सर्किल के निर्माण एवं नामकरण के लिए उपयुक्त स्थान हो सकता है। इससे क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को नई गरिमा मिलेगी तथा श्रद्धालुओं और पर्यटकों को भी कामवन की आध्यात्मिक विरासत से परिचित होने का अवसर मिलेगा। जैन समाज के प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से जनभावनाओं का सम्मान करते हुए मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रशासन इस ऐतिहासिक मांग को स्वीकार कर धर्मनगरी कामवन की गौरवशाली विरासत को स्थायी सम्मान प्रदान करेगा। इस अवसर पर उदयभान जैन (राष्ट्रीय महामंत्री, जैन पत्रकार महासंघ), वीरेंद्र जैन (अध्यक्ष, डीग जैन समाज), ओमप्रकाश जैन (अध्यक्ष, सीकरी), संजय जैन बड़जात्या, संजय सर्राफ (कामवन), पुष्पेंद्र जैन (सीकरी), तरुण जैन (जुरहरा), शीतल जैन (कुम्हेर) सहित जैन समाज के अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

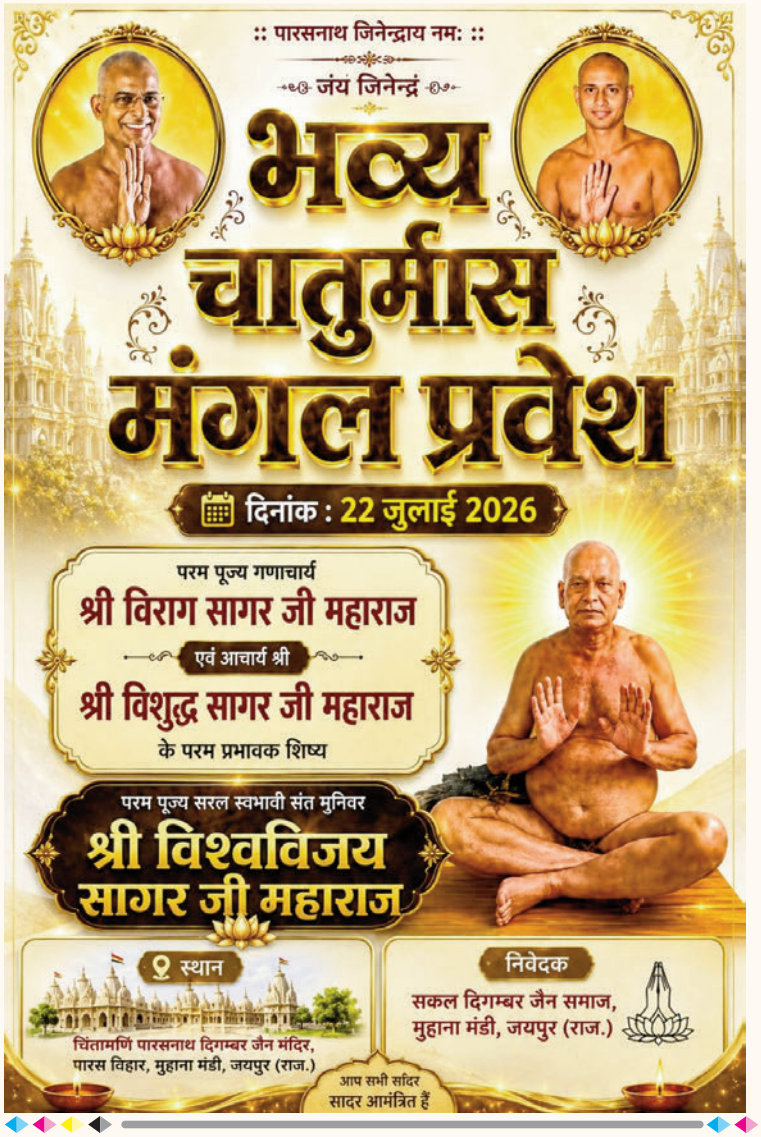

महावीर इंटरनेशनल ने पेंशनर्स को वितरित की प्राथमिक आपातकालीन सहायता किट

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल एपेक्स के 52वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़े के दसवें दिन महावीर इंटरनेशनल परिवार, कुचामन सिटी द्वारा राजस्थान पेंशनर्स समाज उपशाखा, कुचामन के सदस्यों को न्यू कॉलोनी स्थित मंगली देवी स्कूल में प्राथमिक आपातकालीन सहायता किट वितरित की गई। संस्था के अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल ने बताया कि इस किट का उद्देश्य हृदयाघात (हार्ट अटैक) जैसी आपात स्थिति में मरीज को अस्पताल पहुंचने से पूर्व प्रारंभिक सहायता उपलब्ध कराने के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने बताया कि किट में ऐसी दवाएं शामिल हैं, जो चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार उपयोग किए जाने पर सीने के दर्द को कम करने, रक्त के थक्के बनने की आशंका घटाने तथा आपात स्थिति में प्रारंभिक सहायता प्रदान करने में सहायक हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी संदिग्ध हृदयाघात की स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता प्राप्त करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यक्रम में राजस्थान पेंशनर्स समाज उपशाखा, कुचामन के अध्यक्ष जीवन सिंह राठौड़, संगठन मंत्री सुरेश कुमार गोड, सचिव नंदकिशोर बिडसर, कोषाध्यक्ष बाबूलाल जांगिड़ सहित बड़ी संख्या में पेंशनर्स उपस्थित रहे। सभी को किट वितरित कर उसके सुरक्षित एवं उचित उपयोग की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर पेंशनर्स समाज के पदाधिकारियों ने महावीर इंटरनेशनल द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना करते हुए संस्था के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, पेंशनर्स समाज द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में सहयोग के लिए महावीर इंटरनेशनल के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, सचिव वीर अजित पहाड़िया, वीरा अध्यक्ष सरोज पाटनी, वीरा विजयकोर बिडसर, वीर सोहनलाल वर्मा, वीर सुभाष गंगवाल, वीर कमल गोड, वीर तेजकुमार बड़जात्या, वीर सुरेंद्र सिंह दीपपुरा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सेवा पखवाड़े के अंतर्गत संस्था की प्रेरणा से सुरेश कुमारझअमित कुमार गंगवाल परिवार (लादड़िया वाले, भीवंडी) ने अपना घर में निवासरत 64 प्रभुजनों को स्नेहपूर्वक भोजन भी कराया।

तीर्थों के संरक्षण-संवर्द्धन के लिए संकल्पित हुआ महिला मंडल

भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के 125वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में बैठक आयोजित

ललितपुर. शाबाश इंडिया

भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के 125वें स्थापना वर्ष (शतकोत्तर रजत स्थापना वर्ष) के उपलक्ष्य में अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी, उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड के तत्वावधान में इलाइट चौराहा स्थित आनंद रेजीडेंसी में महिला मंडल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर की विभिन्न महिला मंडलों की संयोजिकाओं एवं पदाधिकारियों ने भाग लेते हुए जैन तीर्थों के संरक्षण, संवर्द्धन और विकास के लिए सक्रिय सहयोग का सामूहिक संकल्प लिया। उत्तर प्रदेश-उत्तराखंड के अध्यक्ष जवाहरलाल जैन (सिकंदराबाद) ने कहा कि कमेटी अपने 125वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि प्राचीन जैन तीर्थ, मंदिर और प्रतिमाएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिनके संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। प्रांतीय महिला संयोजिका मीनू जैन (गाजियाबाद) ने महिला मंडलों से नियमित मासिक बैठकें आयोजित करने, प्रत्येक दो माह में किसी जैन तीर्थक्षेत्र की सामूहिक वंदना करने, गुल्लक योजना को घर-घर तक पहुंचाने तथा आय-व्यय का सुव्यवस्थित लेखा-जोखा रखने का आह्वान किया। उन्होंने बुंदेलखंड क्षेत्र के जैन तीर्थों के विकास में महिलाओं की सक्रिय भूमिका पर भी विशेष बल दिया। कमेटी के उपाध्यक्ष इंजी. अनिल जैन 'अंचल' ने 125वें स्थापना वर्ष के प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कहा कि तीर्थों का संरक्षण केवल धार्मिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का भी महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व है। संयुक्त महामंत्री डॉ. सुनील जैन 'संचय' ने कहा, ''तीर्थ, मंदिर और प्रतिमाएं हमारी अनमोल धरोहर हैं। इन्हीं से हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहती है। भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी पिछले 125 वर्षों से इनके संरक्षण, संवर्द्धन एवं विकास के लिए सतत कार्य कर रही है।'' कार्यक्रम में तीर्थक्षेत्र कमेटी, ललितपुर इकाई की अध्यक्ष अनीता मोदी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा महामंत्री अनुपमा बजाज ने आभार व्यक्त किया। बैठक के अंत में उपस्थित सभी महिलाओं ने जैन तीर्थों के संरक्षण, संवर्द्धन एवं विकास के लिए सक्रिय सहभागिता निभाने का सामूहिक संकल्प लिया। बैठक में अनुपमा बजाज, अनीता मोदी, आरती जैन, सुषमा जैन, सुषमा अतिशय, रूबी जैन, नीलू जैन, उमा जैन, राजश्री जैन, विजय जैन, ज्योति जैन, अंजली जैन, संगीता जैन, रश्मि जैन, योगिता जैन, मीना जैन, पिंकी जैन, शोभा टडैया, रश्मि डोंगरा, सुनीता टडैया, नीतू जैन, जयश्री जैन सहित नगर की अनेक महिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

पार्श्वनाथ चैत्यालय में आचार्य सुंदर सागर महाराज के सान्निध्य में बह रही धर्म की गंगा

फागी. शाबाश इंडिया

फागी कस्बे स्थित श्री पार्श्वनाथ चैत्यालय में विराजमान आचार्य श्री 108 सुंदर सागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में धर्म प्रभावना के विविध कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु धर्मसभा में पहुंचकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने सहभागिता करते हुए बताया कि प्रातःकाल भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्य पूजन के उपरांत आयोजित धर्मसभा में आचार्य श्री ने अपने मंगल प्रवचन में आत्मकल्याण और मोक्षमार्ग का महत्व बताया। आचार्य श्री ने कहा कि आत्मा के कल्याण के लिए नियमित आत्मचिंतन, सत्संग और समय का सदुपयोग सर्वोत्तम साधन हैं। मनुष्य को लोभ, मोह और अहंकार का त्याग कर सादा जीवन तथा आध्यात्मिक साधना को अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रतिदिन रात्रि में अपने पूरे दिन के कार्यों का आत्मविश्लेषण कर ईश्वर से अपनी भूलों के लिए क्षमा याचना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जन्म और मरण का चक्र कर्मों और अज्ञान के कारण चलता है। जब तक जीव राग-द्वेष, विषय-कषाय और मोह से मुक्त नहीं होता, तब तक वास्तविक आत्मिक शांति और मोक्ष की प्राप्ति संभव नहीं है। सच्चा ज्ञान, संयम और कर्मफल के प्रति अनासक्ति ही मुक्ति का मार्ग प्रशस्त करते हैं। प्रवचन के दौरान आचार्य श्री ने कहा कि जीवन का सबसे बड़ा गुरु 'ठोकर' है। उन्होंने कहा कि जीवन में मिलने वाली कठिनाइयां और असफलताएं मनुष्य को सबसे अधिक सीख देती हैं। ठोकरें व्यक्ति को अपनी गलतियों का बोध कराती हैं, उसे मजबूत बनाती हैं और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। जो व्यक्ति गिरकर संभलना सीख जाता है, वही जीवन में वास्तविक सफलता प्राप्त करता है। आचार्य श्री ने साधु-संतों की सेवा का महत्व बताते हुए कहा कि संतों के सान्निध्य से मनुष्य में सात्विक गुणों का विकास होता है, पापों का क्षय होता है तथा आत्मकल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि जीवन उसी का मस्त है, जो अपने कर्मों में व्यस्त है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को निरंतर पुरुषार्थ करते रहना चाहिए। मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी एवं सुरेंद्र बावड़ी ने बताया कि कार्यक्रम में मोहनलाल झंडा, कैलाश कलवाड़ा, सोहनलाल झंडा, कैलाश कासलीवाल, पारस मित्तल, सत्येंद्र झंडा, पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर बावड़ी, भागचंद कासलीवाल, नवरत्न कठमाना, ओमप्रकाश डेठानी, शिखर मोदी, अनिल कठमाना, सुरेंद्र पंसारी, विमल कलवाड़ा, टीकम गिंदोढ़ी, पंडित संतोष बजाज, पंडित कैलाश कड़ीला, विनोद मोदी, पार्षद महेश झंडा, मोनू डेठानी, मुकेश गिंदोढ़ी, त्रिलोक पीपलू, कमलेश झंडा, जीतू मोदी, कमलेश चौधरी तथा राजाबाबू गोधा सहित बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

पुद्गलों का परिणाम अनित्य, विषयासक्ति ही समस्त दुःखों का मूल कारण : युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

संसार में कोई भी व्यक्ति, वस्तु अथवा संबंध स्थायी नहीं है। पुद्गलों का स्वभाव निरंतर परिवर्तनशील है, इसलिए उनके प्रति मोह और आसक्ति ही मनुष्य के दुःख का मूल कारण बनते हैं। विषयों के आकर्षण से बचकर उनके वास्तविक स्वरूप एवं परिणाम का विवेकपूर्ण चिंतन करने वाला व्यक्ति ही आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है। यह विचार श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी ने महावीर भवन, नाड़ी मोहल्ला में आयोजित धर्मसभा में व्यक्त किए। दशवैकालिक सूत्र के आचार प्रणिधि प्रसंग का विवेचन करते हुए युवाचार्यश्री ने कहा कि आगम केवल धर्मोपदेश नहीं देते, बल्कि जीवन के दुःखों के वास्तविक कारणों की पहचान भी कराते हैं। विषयों का आकर्षण जितना मनोहारी प्रतीत होता है, उसका परिणाम उतना ही अनिश्चित और दुःखद हो सकता है। इसलिए किसी भी विषय के प्रति आकर्षित होने से पूर्व उसकी अनित्यता और परिणाम का चिंतन आवश्यक है। यही दृष्टि आसक्ति को क्षीण कर आत्मा को समत्व की ओर ले जाती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य का जीवन इच्छाओं के अंतहीन विस्तार में उलझा रहता है। धन, प्रतिष्ठा, परिवार और संतान जैसी इच्छाएं एक के बाद एक जन्म लेती रहती हैं। परिणामस्वरूप भौतिक उपलब्धियों के बावजूद मनुष्य संतोष से दूर रहता है। सुविधा बाहरी साधनों से मिल सकती है, किंतु वास्तविक शांति और संतोष केवल विवेक, आत्मबोध और

संयम से ही प्राप्त होते हैं। युवाचार्यश्री ने कहा कि अति लाड़-प्यार और अनुशासनहीन परवरिश बच्चों के व्यक्तित्व को कमजोर बना देती है। माता-पिता का दायित्व केवल इच्छाओं की पूर्ति करना नहीं, बल्कि उनमें संयम, सहनशीलता, मयार्दा और सही-गलत का विवेक विकसित करना भी है। बचपन की असंयमित आदतें आगे चलकर असहिष्णुता, कुसंगति और नैतिक पतन का कारण बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि जीवन की दिशा परिस्थितियां नहीं, बल्कि संस्कार तय करते हैं। जब विवेक का स्थान आकर्षण और मूल्यबोध का स्थान इच्छाएं ले लेती हैं, तब मनुष्य अनजाने में ही भटकाव की ओर बढ़ जाता है। इसलिए आगम बाहरी वैभव की अपेक्षा अंतर्मन की जागृति, संयम और सत्संग को अधिक महत्व देते हैं। युवाचार्यश्री ने कहा कि वर्तमान उपभोक्तावादी संस्कृति, दिखावे की प्रवृत्ति और तात्कालिक सुख की मानसिकता ने मनुष्य की इच्छाओं को असीमित बना दिया है। आकर्षक आवरण देखकर निर्णय लेने वाला व्यक्ति उसके दूरगामी परिणामों पर विचार नहीं करता, जबकि विवेकशील व्यक्ति किसी भी विषय को स्वीकार करने से पहले उसके प्रभाव का आकलन करता है। उन्होंने आधुनिक तकनीक का उल्लेख करते हुए कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) भी यह स्पष्ट कर रही है कि शरीर, रूप और यौवन स्थायी नहीं हैं। समय के साथ सब कुछ बदलता रहता है।

गणिनी आर्यिका श्री सुभूषणमति माताजी

बच्चों को सुविधाएं ही नहीं, समय भी दीजिए

देबारी (उदयपुर). शाबाश इंडिया

देबारी पार्श्वनाथ तीर्थ में ससंघ विराजमान गुरु परंपरा गौरव, आगमिक प्रखर वक्ता, चर्या शिरोमणि गणिनी आर्यिका रत्न श्री सुभूषणमति माताजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिस प्रकार शरीर को स्वस्थ रखने के लिए सभी विटामिन और पोषक तत्व आवश्यक होते हैं, उसी प्रकार विचारों, आचरण और चिंतन को स्वस्थ बनाने के लिए आध्यात्मिक संस्कार आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी में सबसे महत्वपूर्ण तत्व जिनेंद्र भक्ति है। गणिनी माताजी ने कहा कि मनुष्य जीवन में अनेक रिश्ते समय के साथ बदल सकते हैं, लेकिन जिनेंद्र प्रभु के साथ भक्ति का संबंध जन्म-जन्मांतर तक बना रहता है। उन्होंने कहा कि आज लोग शरीर की फिटनेस पर तो विशेष ध्यान देते हैं, लेकिन विचारों की शुद्धता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा कर रहे हैं। यही कारण है कि समाज में तनाव, पारिवारिक विघटन, तलाक और आत्महत्या जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने अभिभावकों से आह्वान करते हुए कहा कि ''बच्चों को केवल सुविधाएं ही नहीं, अपना समय भी दीजिए। करियर की दौड़ में संस्कृति को मत खोइए।'' अच्छे विचार, अच्छी वाणी और श्रेष्ठ चिंतन बाजार में नहीं मिलते, बल्कि संस्कार, सत्संग और जिनवाणी के अध्ययन से विकसित होते हैं। गणिनी माताजी ने संस्कृत के प्रसिद्ध श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा...

''उपाध्यायान्दशाचार्यः, आचार्याणां शतं पिता।
सहस्रं तु पितृन्माता, गौरवेणातिरिच्यते॥''

अर्थात दस उपाध्यायों के समान एक आचार्य, सौ आचार्यों के समान एक पिता और हजार पिताओं से भी श्रेष्ठ स्थान माता का माना गया है। उन्होंने कहा कि जब तक विचार स्वस्थ नहीं होंगे, तब तक शरीर भी वास्तविक अर्थों में स्वस्थ नहीं रह सकता। मनुष्य जन्म, पंचेंद्रिय जीवन और जैन कुल की प्राप्ति अत्यंत दुर्लभ है। इसलिए इस अमूल्य अवसर का सदुपयोग करते हुए पुण्य संचय, आत्मचिंतन और धर्म साधना की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाप का त्याग विवेकपूर्वक किया जाता है, जबकि शुद्धोपयोग की अवस्था आने पर पुण्य का भी सहज अतिक्रमण हो जाता है। वर्तमान जीवन में जितना पुण्य साथ लेकर आए हैं, उससे अधिक पुण्य अर्जित कर जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। प्रवचन के अंत में गणिनी माताजी ने कहा कि संसार में मां से अधिक विश्वसनीय कोई नहीं होता, किंतु जिनवाणी माता मनुष्य को आत्मज्ञान का मार्ग दिखाती है और गुरु माता उस ज्ञान को जीवन में उतारने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने गुरु चरणों में श्रद्धापूर्वक वंदन करते हुए धर्म, संस्कार और जिनवाणी के अध्ययन को जीवन का आधार बनाने का संदेश दिया। यह जानकारी अंजली जैन हथौली (मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश) ने उपलब्ध कराई।

इष्टोपदेश ग्रंथ के माध्यम से पाप, पुण्य और मोक्ष की विस्तृत व्याख्या की : धर्माचार्य कनक नंदी गुरुदेव

सागवाड़ा. शाबाश इंडिया

पुनर्वास कॉलोनी, सागवाड़ा में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबिनार सभा में स्वाध्याय तपस्वी वैज्ञानिक धर्माचार्य कनक नंदी गुरुदेव ने इष्टोपदेश ग्रंथ के आधार पर पाप, पुण्य और मोक्ष की विस्तृत व्याख्या करते हुए आत्मकल्याण एवं वीतरागता के मार्ग पर प्रकाश डाला। धर्माचार्य ने कहा कि परम वीतराग अवस्था की प्राप्ति एक क्रमबद्ध साधना है। पाप, पुण्य और मोक्ष का वर्णन सभी धर्मों में मिलता है, किंतु जैन दर्शन में इनकी अत्यंत सूक्ष्म एवं वैज्ञानिक व्याख्या की गई है। उन्होंने कहा कि अव्रत और मिथ्यात्व पाप के कारण हैं, जबकि सम्यक दर्शन से युक्त व्रत ही वास्तविक पुण्य का आधार बनते हैं। मोक्ष वह अवस्था है, जहां मोह का पूर्ण क्षय हो जाता है तथा न पुण्य रहता है और न ही पाप। उन्होंने कहा कि इष्टोपदेश के अनुसार अनादिकाल से जीव मिथ्यादृष्टि के कारण भ्रमित रहा है। चाहे वह देव, मनुष्य अथवा किसी भी योनि में जन्मा हो, सम्यक दर्शन के बिना वास्तविक पुण्य की प्राप्ति नहीं होती। सम्यक दर्शन प्राप्त होने के बाद ही व्रत, संयम और पुण्य का वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है। धर्माचार्य ने स्पष्ट किया कि माया, मिथ्यात्व और निदान (फल की कामना) से युक्त उपवास या व्रत वास्तविक व्रत नहीं कहलाते। उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं से फैशन, व्यसन तथा अव्रत रूपी प्रवृत्तियों का त्याग कर संयममय जीवन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे धूप में भटक रहा पथिक छाया में बैठकर विश्राम करता है, उसी प्रकार व्रत और धर्म मनुष्य को जीवन की तपन से राहत प्रदान करते हैं। अशुभ भावों, क्रोध, मान, माया और लोभ का त्याग कर ही शुभ भावों का उदय होता है

और यही पुण्य का मार्ग है। धर्माचार्य ने सूर्य उदय से पूर्व की लालिमा का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार लालिमा सूर्य के आगमन का संकेत देती है, उसी प्रकार अशुभ भावों के क्षीण होने पर आत्मा में सम्यक्त्व और धर्म का प्रकाश प्रकट होने लगता है। इसके विपरीत विषयासक्ति, फैशन, व्यसन तथा दूसरों का उपहास करना आत्मिक पतन की दिशा में ले जाने वाले भाव हैं। उन्होंने कहा कि देव, शास्त्र और गुरु के प्रति श्रद्धा तथा आत्मा की विशुद्धि ही वास्तविक धर्म है। धन, परिवार और भौतिक वस्तुओं के प्रति अत्यधिक आसक्ति मनुष्य को आध्यात्मिक उन्नति से दूर ले जाती है। इसलिए आत्मशुद्धि, संयम और सम्यक दृष्टि को जीवन का आधार बनाकर ही मोक्षमार्ग पर आगे बढ़ा जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने धर्माचार्य कनक नंदी गुरुदेव के प्रवचन से आत्मकल्याण, संयम और सम्यक दर्शन का संदेश ग्रहण किया। यह जानकारी श्रीमती विजयलक्ष्मी गोदावत, सागवाड़ा ने उपलब्ध कराई।

महिला स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए 11 व 12 जुलाई को होगा 'श्री उत्सव' प्रदर्शनी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल (जयपुर शहर) द्वारा महिला स्वावलंबन एवं महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 11 एवं 12 जुलाई, 2026 को 'श्री उत्सव' प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय यह प्रदर्शनी जवाहर नगर, सेक्टर-4 स्थित लाल मंदिर परिसर के महावीर साधना केंद्र में आयोजित होगी। प्रदर्शनी प्रतिदिन प्रातः 10:30 बजे से सायं 8:00 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी। राजकीय सम्मानित समाजसेवी जिनेश कुमार जैन ने बताया कि प्रदर्शनी का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराना, उनके उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाना तथा उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना है। प्रदर्शनी में महिला उद्यमियों द्वारा तैयार हस्तशिल्प, परिधान, गृह सज्जा सामग्री, खाद्य उत्पाद तथा अन्य उपयोगी एवं आकर्षक वस्तुओं का प्रदर्शन और विक्रय किया जाएगा। प्रदर्शनी का शुभारंभ भाजपा की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती शकुन्तला विजयवर्गीय के करकमलों से होगा। आयोजन में समाज के गणमान्य नागरिकों, महिला उद्यमियों तथा बड़ी संख्या में शहरवासियों की उपस्थिति अपेक्षित है। जिनेश कुमार जैन ने जयपुरवासियों से अधिकाधिक संख्या में प्रदर्शनी में पहुंचने की अपील करते हुए कहा कि महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीद केवल एक वस्तु का क्रय नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने में सहभागिता है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी महिलाओं को रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। उन्होंने नागरिकों से महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उत्पादों की खरीदारी कर इस अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। इस आयोजन का नेतृत्व तेरापंथ महिला मंडल (जयपुर शहर) की अध्यक्ष कौशल्या जैन एवं मंत्री पायल जैन कर रही हैं।

शिष्य की शोभा गुरु से होती है: मुनि श्री सिद्ध सागर महाराज

वसगडे (महाराष्ट्र). शाबाश इंडिया

पट्टाचार्य विशुद्धसागर महाराज के परम शिष्य मुनि श्री सारस्वत सागर महाराज, मुनि श्री जयंत सागर महाराज एवं मुनि श्री सिद्ध सागर महाराज इन दिनों वसगडे (महाराष्ट्र) में विराजमान हैं। यह जानकारी अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद, कोल्हापुर के कार्याध्यक्ष अभिषेक अशोक पाटील ने दी। धर्मसभा को संबोधित करते हुए विशुद्ध कुल गौरव, शांतमूर्ति मुनि श्री सिद्ध सागर महाराज ने अपने गुरु पट्टाचार्य विशुद्धसागर महाराज के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा, ''हम भले ही शरीर से गुरु से दूर हों, लेकिन मेरा मन और हृदय आज भी गुरुचरणों में ही है। गुरु का आशीर्वाद सदैव मेरे साथ है।'' उन्होंने कहा कि गुरु के बिना जीवन अधूरा है। गुरु ही ज्ञान का प्रकाश देकर अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करते हैं। उन्होंने कहा,

''घर की शोभा मां से होती है और शिष्य की शोभा गुरु से होती है।'' गुरु के सान्निध्य और आशीर्वाद से ही शिष्य का व्यक्तित्व निखरता है तथा उसका आध्यात्मिक उत्थान संभव होता है। मुनिश्री ने कहा कि जिस प्रकार घर की गरिमा मां से बढ़ती है, उसी प्रकार आज जैन धर्म की शोभा आचार्य भगवंत विशुद्धसागर महाराज के व्यक्तित्व और उनके धर्मप्रभावना कार्यों से बढ़ रही है। उन्होंने आचार्यश्री के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। अभिषेक अशोक पाटील ने बताया कि पट्टाचार्य विशुद्धसागर महाराज का मंगल विहार राजधानी नई दिल्ली की ओर जारी है। वहीं उनके शिष्य मुनि श्री सारस्वत सागर महाराज, मुनि श्री जयंत सागर महाराज एवं मुनि श्री सिद्ध सागर महाराज का चातुर्मास 2026 के लिए 19 जुलाई को प्रातः 7 बजे जयसिंगपुर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। उन्होंने बताया कि 28 जुलाई को मंगल कलश स्थापना समारोह आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, चौथी गली, जयसिंगपुर एवं सकल दिगंबर जैन समाज, जयसिंगपुर के तत्वावधान में किया जा रहा है, जिसकी तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'तीर्थंकर' ने निकाली दो दिवसीय धार्मिक यात्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'तीर्थंकर', जयपुर द्वारा दो दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में ग्रुप के 21 सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा का शुभारंभ दुगार्पुरा स्थित श्री चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में दर्शन एवं मंगल प्रार्थना के साथ हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालु अचरोल स्थित देशभूषण आश्रम पहुंचे, जहां दर्शन करने के बाद यात्रा आगे बढ़ी। इसके बाद सभी अष्टापद तीर्थ पहुंचे और कालिकुंड पार्श्वनाथ जिनालय, भगवान आदिनाथ की विशाल पद्मासन प्रतिमा तथा चौबीसी सहित विभिन्न जिनालयों के दर्शन किए। यात्रा का अगला पड़ाव सिद्धांत क्षेत्र रहा। यहां श्रद्धालुओं ने भोजन के उपरांत पंच बालयति शिखर, चौबीसी, विशाल खड़गासन प्रतिमा, सहस्त्रकूट जिनालय, नवग्रह मंदिर तथा अन्य जिनालयों के दर्शन किए। साथ ही गौशाला का भी अवलोकन किया। इसके बाद यात्रा बड़ेगांव स्थित त्रिलोकधाम पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने परिसर के सभी जिनालयों, प्राचीन मंदिरों एवं नवग्रह मंदिर के दर्शन किए। सायंकाल भोजन के पश्चात सभी ने वहीं रात्रि विश्राम किया। दूसरे दिन प्रातः दुर्गापुरा जैन

मंदिर के मंत्री राजेंद्र काला तथा तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' ने बोली के माध्यम से भगवान पार्श्वनाथ का प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य प्राप्त किया। शांतिधारा का मंत्रोच्चार पूज्य 105 माताजी के मुखारविंद से हुआ। इसके पश्चात श्रद्धालुओं ने 425 फीट ऊंचे त्रिलोकतीर्थ पर विराजमान भगवान की अष्टधातु प्रतिमा तथा 15 मंजिलों में स्थापित जिनप्रतिमाओं के दर्शन किए। अल्पाहार के बाद यात्रा गुप्तीधाम पहुंची, जहां मुख्य मंदिर की पांच खड़गासन प्रतिमाओं, चंद्राकार में स्थापित रत्नमयी जिनप्रतिमाओं, भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा, नवग्रह मंदिर, आदिनाथ जिनालय तथा ऊपरी मंजिल स्थित चौबीसी के दर्शन किए। इसके बाद श्रद्धालु रानीला तीर्थ पहुंचे, जहां भगवान आदिनाथ की अतिप्राचीन प्रतिमा के दर्शन कर भक्तामर स्तोत्र का सामूहिक पाठ किया। इसके साथ ही चरण मंदिर एवं ज्वालिनी माता मंदिर के भी दर्शन किए। भोजन के पश्चात सभी श्रद्धालु जयपुर के लिए रवाना हुए। वापसी यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन, धार्मिक हाउजी तथा विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक खेलों का आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन विमला पांड्या ने किया। यात्रा के समापन पर ग्रुप के सचिव सुरेश आभा गंगवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। वहीं डॉ. शांति जैन ने यात्रा को सफल बनाने में महिलाओं के सहयोग एवं सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए उनका विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।

महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 की बैठक संपन्न, सेवा गतिविधियों एवं संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण पर हुआ मंथन

ब्यावर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल के 52वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 1 से 14 जुलाई तक आयोजित सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रतिदिन विभिन्न जनहित एवं समाजोपयोगी सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सेवा, सहयोग एवं मानव कल्याण की भावना से प्रेरित संस्था समाज के विभिन्न वर्गों के लिए निरंतर सेवा कार्य संचालित कर रही है। इसी क्रम में गुरुवार को महावीर इंटरनेशनल रीजन-3 की महत्वपूर्ण बैठक श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय, ब्यावर में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर नरेंद्र कुमार राका के नेतृत्व में, गवर्निंग काउंसिल सदस्य वीर नरेंद्र पारख तथा महावीर इंटरनेशनल यूनिक, ब्यावर के तत्वावधान में संपन्न हुआ। बैठक में बिजयनगर-ब्यावर जोन सहित विभिन्न केंद्रों के अध्यक्षों, सचिवों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान सेवा पखवाड़े के अंतर्गत संचालित गतिविधियों की समीक्षा की गई तथा आगामी सेवा परियोजनाओं की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही संगठन की कार्यकुशलता, सेवा परियोजनाओं के प्रभावी संचालन, सदस्य सहभागिता, सदस्यता विस्तार तथा संगठनात्मक समन्वय को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में संस्था की मासिक पत्रिका 'महावीर प्रवाह' के आगामी अंक के लिए रीजन-3 एवं रीजन-4 की प्रायोजकता तथा उसके व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर भी सार्थक चर्चा की गई। इस अवसर पर बिजयनगर-ब्यावर जोन के अध्यक्ष वीर तेजमल बुरड़, MISRI के डायरेक्टर वीर विनोद चोरड़िया, अजमेर जोन के अध्यक्ष वीर बाबूलाल जैन, एपेक्स ट्रस्टी वीर पदमचंद जैन, रीजन कोषाध्यक्ष वीर दीपचंद कोठारी, गवर्निंग काउंसिल सदस्य वीर सुशील छाजेड़, वीर यशवंत कोठारी, वीर नरेंद्र पारख, जोन सचिव वीर रुपेश कोठारी, जोन समन्वयक वीर विजय राज जैन, जोन कोषाध्यक्षा वीरा आशा चोरड़िया, महावीर इंटरनेशनल यूनिक के अध्यक्ष वीर राजेंद्र सुराणा, महावीर इंटरनेशनल डायमंड के अध्यक्ष वीर सुशील छाजेड़, महावीर इंटरनेशनल युवा के अध्यक्ष वीर राजेश राका, रॉयल वीरा की अध्यक्षा वीरा दीपशिखा सखलेचा, डायरेक्टर वीर वीरेन्द्र मेडतवाल, वीर दिलीप दक, वीर ध्रुव डोसी, महावीर इंटरनेशनल ब्यावर के सचिव वीर निलेश बुरड़ तथा मणिपुर (इंफाल) की चेयरपर्सन वीरा आरती जैन सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सेवा कार्यों को अधिक प्रभावी, सुव्यवस्थित एवं जनहितकारी बनाने का संकल्प लिया। अंत में जोन सचिव वीर रुपेश कोठारी ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, सदस्यों तथा बैठक के प्रायोजक वीर राजेंद्र सुराणा (अध्यक्ष, महावीर इंटरनेशनल यूनिक) एवं वीर नरेंद्र पारख का आभार व्यक्त किया।

॥ जय महावीर ॥

सीआरसी जयपुर की पुनर्वास सेवाओं को मिली नई मजबूती

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाज के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए मानव सेवा ट्रस्ट, राजस्थान ने समेकित क्षेत्रीय कौशल विकास, पुनर्वास एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण केंद्र (सीआरसी), जयपुर को आधुनिक फिजियोथेरेपी उपकरण उपलब्ध कराए। इन उपकरणों का विधिवत शुभारंभ नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, मुंबई के मानद महासचिव एवं चेयरमैन ट्रस्टी डॉ. विमल कुमार डेंगला, सीआरसी जयपुर के निदेशक नीरज मधुकर तथा ट्रस्ट के प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी ने किया। स्वास्थ्य कल्याण होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं रिसर्च सेंटर के वरिष्ठ होम्योपैथ, आचार्य, चिकित्सक, ट्रस्ट सदस्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि लगभग 1.70 लाख रुपये मूल्य के आधुनिक फिजियोथेरेपी उपकरणों में ट्रैक्शन बेड, स्टैटिक साइकिल, एंकल एक्सरसाइज मशीन, ट्रैम्पोलिन, स्विस बॉल, थेरा ट्यूब, शॉर्टवेव मशीन, टी-पुली, शोल्डर व्हील तथा मल्टीपर्पज एक्सरसाइज मशीन सहित अन्य उपकरण शामिल हैं। डॉ. विमल कुमार डेंगला ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह सहयोग सामाजिक सहभागिता, सेवा और समावेशी विकास की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास दिव्यांगजनों के पुनर्वास एवं सशक्तिकरण के लिए समाज को एकजुट करने का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। सीआरसी जयपुर के निदेशक नीरज मधुकर ने मानव सेवा ट्रस्ट के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन आधुनिक उपकरणों से संस्थान की पुनर्वास सेवाएं और अधिक प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनेंगी, जिससे दिव्यांगजनों को बेहतर उपचार एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा सकेगा। ट्रस्ट के प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी ने बताया कि इन उपकरणों का उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं अन्य जरूरतमंद लाभार्थियों को निःशुल्क, आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराने में सहयोग करना है। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ट्रस्ट शिक्षा, स्वास्थ्य, दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं सामाजिक विकास के क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय भूमिका निभाता रहा है और भविष्य में भी जनहित के ऐसे प्रयास जारी रहेंगे।

इंदौर की ओर बढ़ रहे मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के पावन चरण, श्रद्धालुओं में उत्साह

ब्यावरा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश, शुभोदय तीर्थ पर विशाल पाषाण जिनालय एवं धर्मशाला का शिलान्यास

ब्यावरा. शाबाश इंडिया

निर्यापक श्रमण, राष्ट्रसंत मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागरजी महाराज ससंघ के इंदौर चातुर्मास की ओर मंगल विहार के क्रम में ब्यावरा आगमन पर श्रद्धालुओं ने भव्य अगवानी की। बड़ी संख्या में भक्तों ने गुरुदेव के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर शुभोदय तीर्थ पर विशाल धर्मशाला के शिलान्यास तथा प्रस्तावित भव्य पाषाण जिनालय के निर्माण की घोषणा भी की गई। विशाल धर्मशाला के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने कहा कि चंपावती की पावन भूमि से प्रकट हुई अतिशयकारी देव प्रतिमाएं वर्षों तक भूगर्भ में उचित समय की प्रतीक्षा करती रहीं। अब समय आ गया है कि उनके अतिशयों का लाभ समस्त समाज को मिले। उन्होंने कहा कि जितने अधिक श्रद्धालु श्रद्धापूर्वक अभिषेक करेंगे, उतना ही अधिक इन प्रतिमाओं का आध्यात्मिक प्रभाव समाज को प्राप्त होगा। उन्होंने कहा, किसी भक्त का पुण्य प्रबल होता है, तभी उसके मन में यह भाव जागृत होता है कि शुभोदय तीर्थ में त्रिकाल चौबीसी का निर्माण हो।

तीर्थों के संरक्षण एवं नव निर्माण की प्रेरणा

मध्यप्रदेश जैन महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज के मार्गदर्शन में देशभर में अनेक तीर्थों का संरक्षण, जीर्णोद्धार एवं नव निर्माण हुआ है। उन्होंने कहा कि शुभोदय तीर्थ भी भविष्य में एक महत्वपूर्ण जैन तीर्थ के रूप में विकसित होगा। उन्होंने बताया कि बीनागंज स्थित शुभोदय तीर्थ से मुनि पुंगव ससंघ का ब्यावरा की ओर मंगल विहार हुआ। इस अवसर पर इंदौर सकल जैन समाज के प्रतिनिधि मनीष गौधा सहित अनेक पदाधिकारी आगामी चातुर्मास के संबंध में निवेदन लेकर पहुंचे। वहीं अल्केश गांधी द्वारा प्रस्तावित विशाल पाषाण जिनालय निर्माण का पुण्यार्जन किया गया। तीर्थ समिति की ओर से अंकित जैन, मनोज जैन, अजय जैन, अशोक जैन एवं डॉ. विमल जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने उनका सम्मान किया।

भूमि की कीमत नहीं, उसकी उपयोगिता महत्वपूर्ण

जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम में मुनि पुंगव श्री

सुधासागरजी महाराज ने कहा कि किसी भी भूमि का महत्व उसके आकार या मूल्य से नहीं, बल्कि उसके सदुपयोग से निर्धारित होता है। उन्होंने कहा, जमीन की कीमत नहीं होती, उसकी उपयोगिता की कीमत होती है। जिस भूमि पर धर्म, साधना और तीर्थ का निर्माण होता है, वही भूमि संसार के लिए आस्था का केंद्र बन जाती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मभूमि होने के कारण विश्वभर की श्रद्धा का केंद्र बनी, उसी प्रकार धर्ममय भूमि अपने आध्यात्मिक महत्व से महान बनती है।

आत्मा का स्वरूप ज्ञाता-द्रष्टा है

प्रवचन के दौरान मुनिश्री ने जैन दर्शन के सिद्धांतों का विवेचन करते हुए कहा कि जीव का लक्षण ज्ञान और दर्शन है, जबकि आत्मा का वास्तविक स्वरूप ज्ञाता और द्रष्टा होना है। आत्मा अनुभव करने वाली सत्ता है और वही जीवन का वास्तविक स्वामी है। उन्होंने जैन दर्शन के प्रागभाव, प्रध्वंसाभाव, अत्यन्ताभाव एवं अन्योन्याभाव की सरल व्याख्या करते हुए दूध और दही का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि दूध में दही बनने की संभावना रहती है, इसलिए दोनों के संबंध को समझने से परिवर्तन और अनित्यता का सिद्धांत स्पष्ट होता है। वहीं पानी और दूध का उदाहरण देते हुए उन्होंने अत्यन्ताभाव का अर्थ समझाया कि कुछ पदार्थ कभी एक-दूसरे में परिवर्तित नहीं हो सकते। मुनिश्री ने कहा कि जैन दर्शन के इन सिद्धांतों का उद्देश्य केवल दार्शनिक चर्चा नहीं, बल्कि आत्मस्वरूप का बोध कराकर मनुष्य को सम्यक दर्शन एवं मोक्षमार्ग की ओर अग्रसर करना है।

साहित्य, सृजन और अभिव्यक्ति का उत्सव, 'इंग्लिश लिटरेरी फेस्ट' में निखरी छात्राओं की प्रतिभा

भाषण, कविता, नाटक, वाद-विवाद और रचनात्मक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

ब्यावर. शाबाश इंडिया

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, ब्यावर के अंग्रेजी साहित्य विभाग की ओर से छात्राओं की भाषाई दक्षता, साहित्यिक अभिरुचि एवं रचनात्मक प्रतिभा के विकास के उद्देश्य से 'इंग्लिश लिटरेरी फेस्ट' का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत समूह नृत्य, नवकार मंत्र एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि राजकीय सनातन धर्म राजकीय महाविद्यालय के अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. गुमान सिंह गहलोत का महाविद्यालय परिवार द्वारा आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा, संकाय सदस्य एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि साहित्य व्यक्ति की संवेदनाओं को समृद्ध करता है, जबकि भाषा उसकी अभिव्यक्ति को प्रभावशाली बनाती है। उन्होंने छात्राओं से अध्ययन के साथ साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। मुख्य अतिथि डॉ. गुमान सिंह गहलोत ने कहा कि साहित्य केवल शब्दों का संग्रह नहीं, बल्कि समाज की चेतना का दर्पण है। भाषा और साहित्य विद्यार्थियों में व्यापक दृष्टिकोण, तार्किक सोच तथा आत्मविश्वास के साथ अपने विचार व्यक्त करने की क्षमता विकसित करते हैं। उन्होंने ऐसे आयोजनों को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेन्द्र पारख ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिवेश में अंग्रेजी भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि ज्ञान, करियर और व्यक्तित्व विकास का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। ऐसे साहित्यिक आयोजन छात्राओं में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, प्रभावी अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास का विकास करते हैं। फेस्ट के दौरान छात्राओं ने ओजपूर्ण भाषण, भावपूर्ण कविता-पाठ, काव्य-गीत, विचारोत्तेजक वाद-विवाद, शेक्सपियर के नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति, **Literary Devices** पर अभिनव मंचन, आकर्षक समूह नृत्य, मॉडल एवं चार्ट प्रदर्शनी तथा साहित्य आधारित प्रश्नोत्तरी के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रत्येक प्रस्तुति ने अंग्रेजी भाषा के प्रति उनकी रुचि, साहित्यिक समझ, आत्मविश्वास और सृजनात्मक सोच को सशक्त रूप से अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन लकी ड्रॉ, पुरस्कार वितरण एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यक्रम संयोजक एवं अंग्रेजी साहित्य विभाग की व्याख्याता अभिलाषा हंस ने मुख्य अतिथि, प्राचार्य, संकाय सदस्यों, प्रतिभागियों एवं छात्राओं का आभार व्यक्त किया।

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ने वृक्षारोपण के साथ मनाया 16वां चार्टर डे

जयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ ने अपने 16वें चार्टर डे का आयोजन मंगल विहार पार्क में सेवा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सरोकार के संदेश के साथ उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा पौधों की नियमित देखभाल का भी संकल्प दोहराया। इसके बाद केक काटकर क्लब का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल जैन ने कहा कि रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ पिछले 16 वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्तदान, चिकित्सा शिविर, पर्यावरण संरक्षण तथा विभिन्न सामाजिक सेवा परियोजनाओं के माध्यम से समाजहित में निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पौधा भविष्य की पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर है, इसलिए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल भी उतनी ही आवश्यक है। चार्टर डे समारोह के दौरान सभी सदस्यों ने रोटरी के आदर्श वाक्य "Service Above Self" (स्वयं से ऊपर सेवा) की भावना के साथ समाज सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को और अधिक गति देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के 16 वर्षों की सेवा यात्रा को स्मरण करते हुए समाजहित के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

शिक्षा, सेवा एवं संस्कार का ऐतिहासिक महोत्सव अरिहंतगिरि में संपन्न

श्री महेन्द्रकुमार जैन के जन्मदिवस पर श्री सारिता महेन्द्रकुमार जैन वर्ल्ड स्कूल के नवीन भवन का लोकार्पण, ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय कौशल विकास कार्यक्रमों का शुभारंभ

अरिहंतगिरि (तिरुमलै, तमिलनाडु)

शिक्षा, धर्म, सेवा और समाजोत्थान के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण अध्याय उस समय जुड़ गया, जब समाजसेवी, उद्योगपति एवं शिक्षाप्रेमी श्री महेन्द्रकुमार जैन (चेन्नई) के जन्मदिवस के अवसर पर श्री सारिता महेन्द्रकुमार जैन वर्ल्ड स्कूल के नवीन विद्यालय भवन का भव्य लोकार्पण पूज्य स्वस्तिश्री धवलकीर्ति भट्टारक महास्वामीजी, पीठाधीश्वर, श्री क्षेत्र अरिहंतगिरि के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। इसी अवसर पर ग्रामीण विद्यार्थियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के इंग्लिश स्किल ट्रेनिंग तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्किल ट्रेनिंग कार्यक्रमों का शुभारंभ भी किया गया।

देशभर से पहुंचे उद्योगपति, शिक्षाविद् और श्रद्धालु

आचार्यश्री अकलंक एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित समारोह में देशभर से उद्योगपति, शिक्षाविद्, समाजसेवी, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रध्वज फहराने, दीप प्रज्ज्वलन तथा विद्यार्थियों द्वारा णमोकार मंत्र एवं चैत्यवंदना के सामूहिक पाठ से हुआ। प्रसिद्ध शास्त्रीय नृत्यांगना एवं कोरियोग्राफर दीप्तिका जैन की स्वागत प्रस्तुति तथा विद्यार्थियों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और राष्ट्रभक्ति का प्रभावशाली संदेश दिया। समारोह का संचालन आचार्यश्री अकलंक एजुकेशनल ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) प्रतिष्ठाचार्यश्री वसंत शास्त्री ने किया। ट्रस्ट के प्रबंधक अशोक जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। नवीन विद्यालय भवन में नवग्रह शांति हवन, शांति विधान एवं वास्तु विधान सहित मांगलिक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर भवन को

विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित किया गया।

शिक्षा से बढ़कर कोई दान नहीं

अपने आशीर्वचन में पूज्य स्वस्तिश्री धवलकीर्ति भट्टारक महास्वामीजी ने कहा कि शिक्षा से बढ़कर कोई दान नहीं है। जो व्यक्ति समाज के बच्चों के लिए शिक्षा के द्वार खोलता है, वह वास्तविक अर्थों में राष्ट्र निर्माण का कार्य करता है। उन्होंने श्री महेन्द्रकुमार जैन एवं उनके परिवार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे योगदान की सराहना करते हुए विद्यालय की निरंतर प्रगति तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की।

श्री महेन्द्रकुमार जैन का हुआ सम्मान

विद्यालय भवन के लोकार्पण के बाद पूज्य महास्वामीजी ने श्री महेन्द्रकुमार जैन का शाल, श्रीफल एवं सम्मान-चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया। इसके पश्चात देश के विभिन्न राज्यों से आए उद्योगपतियों, समाजसेवियों, चेन्नई एवं पुदुच्चेरी जैन समाज तथा अखिल भारतीय जैन महासभा के पदाधिकारियों ने भी उनका सम्मान किया। इस अवसर पर पी.सी. जैन, राजेंद्र प्रसाद जैन (सदस्य, राज्य अल्पसंख्यक आयोग) तथा एल. अशोक (संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, फ्यूचरनेट सॉल्यूशंस) सहित अनेक वक्ताओं ने शिक्षा, धर्म और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की।

देव, शास्त्र और गुरु की अवमानना से सदैव बचें : आर्यिका श्री सुकाव्यमति माताजी

जयपुर. शाबाश इंडिया

नेमी सागर कॉलोनी में विराजमान आर्यिका श्री सुकाव्यमति माताजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि देव, शास्त्र और गुरु की अवमानना से सदैव बचना चाहिए, क्योंकि इनके प्रति अनादर से अशुभ कर्मों का तीव्र बंध होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धर्म, संयम और सदाचार को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। श्री नेमिनाथ दिगंबर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन (कालाडेरा) ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान डी.सी. जैन परिवार ने दीप प्रज्ज्वलन किया, रतनलाल-प्रमिला सेठी परिवार ने शास्त्र भेंट किए तथा मंजू सेठी परिवार ने पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व गुरुवार को हंसराज गंगवाल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, अनिल जैन (धुआं वालों) द्वारा शास्त्र भेंट तथा प्रदीप-अर्चना निगोतिया परिवार द्वारा पाद प्रक्षालन किया गया। प्रातःकाल आर्यिका संघ के सान्निध्य में नेमीसागर दिगंबर जैन मंदिर में विश्व शांति एवं सर्वमंगल की कामना के साथ शांतिधारा का आयोजन किया गया। दिन में स्वाध्याय तथा सायंकाल आनंद यात्रा आयोजित की गई, जिसमें समाज के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

लॉयन क्लब मुरैना एलीट ने मनाया ''केरल उत्सव'', पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मुरैना। (मनोज जैन नायक) भारत की विविध सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराने के उद्देश्य से लॉयन क्लब मुरैना एलीट द्वारा समरवेव वॉटर पार्क में रंगारंग 'केरल उत्सव' का आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। क्लब की अध्यक्ष लॉयन अंजना शिवहरे ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य सदस्यों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और विभिन्न राज्यों की परंपराओं से परिचित कराना था। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने केरल की पारंपरिक वेशभूषा धारण कर वहां की संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में सदस्यों ने केरल के पारंपरिक गीतों पर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए। इसके साथ ही केरल थीम पर आधारित तंबोला एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों का आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों ने केरल के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद लिया, जिससे उन्हें वहां की खान-पान संस्कृति को निकट से जानने का अवसर मिला। सामाजिक सरोकार निभाते हुए कार्यक्रम के दौरान विभिन्न औषधीय, फलदार एवं पुष्पीय पौधों का पौधारोपण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन लॉयन अंजना गर्ग ने किया। इस अवसर पर फाउंडर प्रेसिडेंट लॉयन इंजी. नीता बांदिल, पूर्व अध्यक्ष लॉयन भारती मोदी, सचिव लॉयन अनुराधा गर्ग, कोषाध्यक्ष लॉयन अंशुल गोलस सहित क्लब की अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आयोजन को सफल बनाया। कार्यक्रम ने सदस्यों को केरल की सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराने के साथ-साथ आपसी सौहार्द, एकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ किया।

जैन मित्र मंडली ने दार्जिलिंग, सिक्किम, गंगटोक एवं नेपाल की आठ दिवसीय आनंद यात्रा संपन्न की

जयपुर. शाबाश इंडिया

झोटवाड़ा जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष एवं जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार के संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी ने बताया कि जैन मित्र मंडली ने दार्जिलिंग, सिक्किम, गंगटोक एवं नेपाल की आठ दिवसीय मनोरंजन एवं धार्मिक यात्रा उत्साहपूर्वक संपन्न की। यात्रा का शुभारंभ 1 जुलाई को प्रभु श्री पार्श्वनाथ भगवान के अभिषेक, पूजन एवं दर्शन के साथ हुआ। इसके बाद सभी सदस्य जयपुर से सड़क मार्ग द्वारा दिल्ली पहुंचे और वहां से हवाई मार्ग से बागडोगरा रवाना हुए। बागडोगरा से मनोहारी प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेते हुए सभी दार्जिलिंग पहुंचे, जहां उन्होंने होटल जंबाला रिजॉर्ट में प्रवास किया। दार्जिलिंग प्रवास के दौरान यात्रियों ने स्थानीय पर्यटन स्थलों का भ्रमण किया। नेपाल सीमा पार कर वहां के बौद्ध मंदिरों के दर्शन किए तथा प्रसिद्ध चाय बागानों और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया। यात्रा के दूसरे दिन प्रातः सभी टाइगर हिल पहुंचे, जहां उन्होंने सूर्योदय का मनमोहक दृश्य देखा। स्थानीय लोगों के अनुसार कई दिनों बाद वहां सूर्योदय स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। यात्रियों ने कंचनजंघा की हिमाच्छादित चोटियों का भी अवलोकन किया, जिनका सूर्योदय और सूर्यास्त के समय बदलता प्राकृतिक सौंदर्य सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा। इसके बाद मित्र मंडली सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंची। यहां प्रसिद्ध एम.जी. रोड सहित अन्य प्रमुख स्थलों का भ्रमण किया गया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भारत-चीन सीमा स्थित नाथुला दर्रे का भी भ्रमण किया तथा बाबा हरभजन सिंह मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने भारतीय सेना के जवानों से मुलाकात कर उनके साथ भोजन करने का भी अवसर प्राप्त किया, जिसे सभी ने अविस्मरणीय अनुभव बताया। गंगटोक और आसपास के क्षेत्रों में हिमालयी झरनों, हरित पर्वत श्रृंखलाओं और प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने के बाद सभी सदस्य 7 जुलाई को सिलीगुड़ी पहुंचे। वहां स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर एवं तेरापंथ धर्मशाला में प्रवास के दौरान आचार्य विशुद्ध सागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 अर्चित सागर महाराज के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किए।

अष्टमी के अवसर पर मंदिर में अभिषेक एवं पूजन भी किया गया। इसके पश्चात सभी सदस्य हवाई मार्ग से दिल्ली पहुंचे और वहां से सड़क मार्ग द्वारा सकुशल जयपुर लौटे। यात्रा के दौरान धार्मिक दर्शन, प्राकृतिक सौंदर्य और आपसी सौहार्द के अविस्मरणीय अनुभवों को साझा करते हुए सभी ने भविष्य में भी सामूहिक यात्राएं आयोजित करने का संकल्प लिया। यात्रा में धीरज कुमार पाटनी, सीमा पाटनी, निर्मल-तारा पांड्या, मुकेश-नीलम सेठी तथा मुकेश-आशा पाटनी सहित जैन मित्र मंडली के सदस्य शामिल रहे। जयपुर पहुंचने पर सभी ने एक-दूसरे का 'जय जिनेंद्र' कहकर अभिनंदन किया तथा यात्रा की सुखद स्मृतियों को साझा किया।

आईटीआई बाबूकोहका में रेडक्रॉस का रक्तदान शिविर

26 युवाओं ने किया स्वैच्छिक रक्तदान, 'रक्तदान जीवनदान है', युवाओं ने नियमित रक्तदान का लिया संकल्प

चारामा. शाबाश इंडिया। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा कांकेर द्वारा शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बाबूकोहका, चारामा में एक दिवसीय स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन संस्थान के प्राचार्य श्री घृतलहरे के मार्गदर्शन एवं सहयोग से संपन्न हुआ। शिविर में छात्र-छात्राओं, प्राचार्य एवं संस्थान के स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान 26 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। उपस्थित अतिथियों ने सभी रक्तदाताओं के इस मानवीय योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिविर के दौरान रेडक्रॉस पदाधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को रक्तदान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्वैच्छिक रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने का प्रभावी माध्यम है तथा स्वस्थ व्यक्ति चिकित्सकीय मानकों के अनुसार नियमित अंतराल पर सुरक्षित रूप से रक्तदान कर सकता है। युवाओं को समाजहित में समय-समय पर स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

रतनदेवी

धर्मपत्नी स्व. श्री कैलाशचन्द जी काला

का स्वर्गवास दिनांक 09/07/2026 को हो गया।

बिचले दिन की बैठक
दिनांक 11/07/2026
दोपहर 12.00 से 5.00 बजे तक
भट्टारकजी की नसियां

तीये की बैठक
दिनांक 12/07/2026
सुबह 9.00 बजे
भट्टारकजी की नसियां

शोकाकुल

आलोक-संगीता (पुत्र - पुत्रवधू)
रीना-सजय सौगानी (पुत्री-दामाद)
आशिनी-डरायश, तनमई-मुकेश, सोमान्शी (पोत्री-दामाद)
शौर्य-हर्षिना, उदयांश (दोहिता-दोहिता वधू)

शकुंतलादेवी (जेठानी) राज, पदमचंद-हंसा, महेश काला, रश्मि (देवर-देवरानी)
सुभाष, अरुण, कमल, उमेश, तरुण, मुकेश, राजीव, गुड्डू, नीरज, रुपिन,
अभिषेक, अंकित, रविश एवं समस्त काला परिवार

स्व. मैना पाटनी, स्व. कमला बाकलीवाल,
लता पाटनी, अनिल जैन (ननद-ननदोई)

पीहर पक्ष
नवीन, प्रदीप, भूपेन्द्र, विनोद, राजीव तेरापंथी